IMPACT STORIES FORMAT

Story Title	कठिनाइयों को मातप्रेमी कुमारी मीणा की शिक्षा की : ओर संघर्ष यात्रा
Date	01/10/2024
Prepared by	गायत्री सेवा संस्थान
Name of partner Organization	गायत्री सेवा संस्थान
Name of Daksha/Daksh	प्रेमी कुमारी मीणा
Name of SKB centre	कुंडा फला
Cluster	अग्गड
Block	लसाडिया
District	सलूंबर

BACKGROUND/CONTEXT:

दक्षा प्रेमी कुमारी मीणा, उम्र 32 वर्ष, खजूरी गांव की रहने वाली हैं, जो पंचायत खजूरी, ब्लॉक लसाडिया में स्थित है। प्रेमी कुमारी एक साहसी महिला हैं, जो सखियों की बाड़ी केंद्र कुंडा फला में बच्चों को पढ़ाती हैं। उनका गांव और केंद्र पहाड़ों और जंगलों से घिरा हुआ है, जहाँ शिक्षा को लेकर जागरूकता की भारी कमी है।

वह प्रतिदिन 4 किलोमीटर पैदल चलकर अपने केंद्र तक पहुँचती हैं और बच्चों को शिक्षा प्रदान करती हैं। इस क्षेत्र के लोग मुख्य रूप से खेती, बकरी पालन करते हैं और तालाब से पीने का पानी प्राप्त करते हैं। बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं यहाँ नहीं हैं, जिससे यह इलाका और भी दुर्गम बन जाता है।

कुंडा फला केंद्र की स्थापना के पीछे की कहानी भी अनोखी है। एक दिन लकड़ी काटने गए कुछ लोगों ने जंगल के बीच बसे इस गांव का पता लगाया। कलस्टर हेड लोगर जी मीणा और ब्लॉक हेड मुकेश जी ने इस गांव को प्राथमिकता दी और यहां एक सखियों की बाड़ी केंद्र खोलने का निर्णय लिया।

पहले एक और दक्षा को इस केंद्र पर नियुक्त किया गया, लेकिन दूरी की वजह से उसने नौकरी छोड़ दी। तब प्रेमी कुमारी मीणा को केंद्र का कार्यभार सौंपा गया। परिवार की अनुमति मिलने के बाद, उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण काम को अपनाया और बच्चों को पढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की।

CHALLENGES FACED:

कुंडा फला गांव बेहद दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जहां शिक्षा का नाममात्र ज्ञान था। अधिकांश लोग बकरी पालन और खेती में व्यस्त रहते थे, और बच्चों की शिक्षा के प्रति कोई विशेष रुचि नहीं थी। इस इलाके में पानी और बिजली की समस्याएं भी बड़ी चुनौती थीं।

दक्षा प्रेमी कुमारी के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी 4 किलोमीटर पैदल चलकर केंद्र तक पहुंचना और वहां के लोगों को शिक्षा का महत्व समझाना। इसके अलावा, इस गांव में पहली बार शिक्षा के बीज बोना और लोगों को इसके लिए जागरूक करना भी एक कठिन काम था।

INTERVENTION/ACTIVITIES:

प्रेमी कुमारी ने धीरे-धीरे लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को आकर्षित करने के लिए बालगीत, कविताएँ, खेल और टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स) का उपयोग किया।

उन्होंने न केवल बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया, बल्कि माता-पिता को भी जागरूक किया कि वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिए नियमित रूप से केंद्र भेजें। उनके प्रयासों से आसपास के गांवों के बच्चे भी प्रेरित हुए और उन्होंने उन्हें स्कूल में दाखिला दिलवाया।

OUTCOMES:

प्रेमी कुमारी मीणा के अथक प्रयासों और समर्पण से अब कुंडा फला गांव में शिक्षा का माहौल बना है। जो बच्चे पहले स्कूल जाने के बारे में सोचते भी नहीं थे, अब नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लोगों के मन में शिक्षा के प्रति सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है, और वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति जागरूक हो गए हैं।

प्रेमी कुमारी को सखियों की बाड़ी से मिलने वाले वेतन से न केवल अपने घर की आर्थिक स्थिति में मदद मिली, बल्कि उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई भी जारी रखी। उनका यह संघर्ष और सफलता की कहानी, इस क्षेत्र में एक प्रेरणा बन गई है, और उन्होंने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ इच्छाशक्ति और समर्पण से शिक्षा का उजाला फैलाया जा सकता है।

GOOD QUALITY IMAGE: - 3-4 IMAGES (Attach below)